

कार्यालय महानिदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो

(जनसम्पर्क प्रकोष्ठ)

प्रेस नोट

- दौसा में पुलिस थाना लालसोट का हैड कानिस्टेबल एवं दलाल (प्राइवेट व्यक्ति) 4 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार
- आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

जयपुर, 26 जुलाई, बुधवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर दौसा इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये प्रेमराज सिंह हैड कानिस्टेबल, पुलिस थाना लालसोट, जिला दौसा एवं दलाल भरत लाल सैनी (प्राइवेट व्यक्ति) को परिवादी से 4 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक (अतिरिक्त चार्ज) श्री हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि ए.सी.बी. की दौसा इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरुद्ध दर्ज प्रकरण में सही एवं जल्दी कार्यवाही करने की एवज में अनुसंधान अधिकारी प्रेमराज सिंह हैड कानिस्टेबल, पुलिस थाना लालसोट, जिला दौसा द्वारा 5 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी, भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री कालूराम रावत के निर्देशन में एसीबी की दौसा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक श्री नवल किशोर द्वारा मय टीम ट्रेप कार्यवाही करते हुये प्रेमराज सिंह पुत्र श्री अतर सिंह जाट निवासी हिंगोटा, पुलिस थाना भुसावर, जिला भरतपुर हाल हैड कानिस्टेबल, पुलिस थाना लालसोट, जिला दौसा द्वारा परिवादी से 4 हजार रुपये की रिश्वत राशि प्राप्त कर अपने परिचित भरत लाल सैनी पुत्र श्री हजारी लाल सैनी निवासी उण्ड की ढाणी, डिडवाना, तहसील लालसोट जिला दौसा (प्राइवेट व्यक्ति) को दी जिसपर दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी हैड कानिस्टेबल द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 1 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे।

एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस श्री सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक, श्री हेमन्त प्रियदर्शी ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल-फ्री हैल्पलाइन नं. 1064 एवं Whatsapp हैल्पलाइन नं. 94135-02834 पर 24X7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी। विदित रहे कि एसीबी राजस्थान राज्य में राज्य कर्मियों के साथ-साथ केन्द्र सरकार के कार्मिकों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने को अधिकृत है।